

**न्यायालय:-अमनदीप सिंह छाबड़ा न्यायिक मजिस्ट्रेट**  
**प्रथम श्रेणी बैहर, जिला बालाघाट(म0प्र0)**

प्रकरण क्रमांक 565/13

संस्थित दिनांक-26.06.2013

फा.नं.234503004432013

म0प्र0 राज्य द्वारा, थाना मलाजखंड

जिला बालाघाट म0प्र0

.....अभियोगी

// विरुद्ध //

प्रकाश पिता शिवलाल राहंगडाले, उम्र-37 वर्ष,

निवासी ग्राम चीचगांव थाना बिरसा जिला बालाघाट म0प्र0

.....आरोपी

**::निर्णय::**

{ दिनांक **07/07/2017** को घोषित }

1. आरोपी के विरुद्ध धारा 279, 304ए भा.द.वि. के तहत दण्डनीय अपराध का आरोप है, कि उसने दिनांक 05.06.2013 को दोपहर करीब 2:15 बजे ग्राम चीचगांव थाना बिरसा अंतर्गत वाहन ट्रेक्टर क्रमांक एम.पी.50ए3988 को उतावलेपन या उपेक्षा से चलाकर मानव जीवन संकटापन्न किया व मृतक गंगाराम की ऐसी मृत्यु कारित की जो आपराधिक मानव वध की कोटि में नहीं आता है।

2. अभियोजन कहानी संक्षेप में इस प्रकार है कि मर्ग क्रमांक 27/13 धारा 174 जा.फौ. में मृतक गंगाराम बघेल की मर्ग जांच एवं कथन, साक्षी राजेश, सुखचंद, राहुल के कथन अनुसार दिनांक 05.06.2013 के दिन के 2/15 बजे मृतक गंगाराम के उपर ट्रेक्टर क्रमांक एम.पी.50ए.3988 के चालक प्रकाश राहंगडाले द्वारा तेज रफ्तार लापरवाहीपूर्वक लहराते हुए चलाकर ट्राली से गिरने एवं ट्राली के टायर चढ़ने से मृतक गंगाराम की मृत्यु हो गई। मृतक गंगाराम की पी.एम. रिपोर्ट से दांये हाथ की भुजा, पसली में गंभीर चोट लगने से मृत्यु होना पाया गया। आरोपी प्रकाश द्वारा अपराध धारा सदर का कृत्य घटित करना पाये जाने से आरोपी प्रकाश को गिरफ्तार कर जमानत-मुचलके पर रिहा किया गया। जप्त ट्रेक्टर ट्राली वाहन कागजात से आरोपी के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। संपूर्ण विवेचना उपरांत अभियोग पत्र क्रमांक 69/13 दिनांक 20.06.2013 तैयार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

3. अभियुक्त ने निर्णय के चरण एक में वर्णित आरोपों को अस्वीकार कर अपने अभियुक्त परीक्षण अंतर्गत धारा 313 दं.प्र.सं. में यह बचाव लिया है कि वह निर्दोष हैं तथा उसे झूठा फंसाया गया है, कोई प्रतिरक्षा साक्ष्य पेश नहीं की है।

4. प्रकरण के निराकरण के लिए विचारणीय प्रश्न यह है कि :-

- (1) क्या आरोपी दिनांक 05.06.2013 को दोपहर करीब 2:15 बजे ग्राम चीचगांव थाना बिरसा अंतर्गत वाहन ट्रेक्टर क्रमांक एम.पी. 50ए3988 को उतावलेपन या उपेक्षा से चलाकर मानव जीवन संकटापन्न किया ?
- (2) क्या आरोपी ने उक्त घटना दिनांक, समय व स्थान पर उक्त वाहन को उतावलेपन अथवा उपेक्षा से चलाकर मृतक गंगाराम की ऐसी मृत्यु कारित की जो आपराधिक मानव वध की कोटि में नहीं आता है ?

### ::सकारण निष्कर्ष::

#### विचारणीय प्रश्न कमांक 1 एवं 2

साक्ष्य की पुनरावृत्ति को रोकने तथा सुविधा हेतु उक्त सभी विचारणीय प्रश्नोंका निराकरण एक साथ किया जा रहा है।

5. साक्षी सुखचंद (अ0सा0-01) का कथन है कि वह आरोपी एवं मृतक गंगाराम को जानता है। घटना उसके न्यायालय में साक्ष्य देने के करीब दो साल पूर्व दोपहर लगभग एक-डेढ़ बजे ग्राम जानपुर की है। वह घटना दिनांक को गोबर खाद ट्रेक्टर में भरने के लिए जा रहे थे। घटना के समय ट्रेक्टर में वह, राजेश व मृतक गंगाराम थे। घटना के समय ट्रेक्टर आरोपी चला रहा था और वह उसके साथ बैठा था तथा मृतक गंगाराम ट्राली में बैठा था। ट्रेक्टर में खाद भरने के लिए जाते समय गंगाराम ट्रालीसे गिर गया और ट्राली के नीचे आ गया, जिससे गंगाराम को गंभीर चोटें आई थी। घटना के समय आरोपी ट्रेक्टर को धीरे-धीरे चला रहा था। मृतक घायल को घायल अवस्था में मलाजखंड लेकर गये थे, जहाँ उसकी मृत्यु हो गई थी। पुलिस ने पूछताछ कर उसके बयान लिये थे। मृतक की मृत्यु स्वयं उसकी गलती से हुई थी। सूचक प्रश्न पूछे जाने पर साक्षी ने यह स्वीकार किया है कि मृतक गंगाराम घटना के समय ट्राली में बैठा हुआ था और सामने इंजन में बैठने के लिये आ रहा था। आरोपी ने ट्रेक्टर को रोका नहीं और मृतक गंगाराम चलते ट्रेक्टर में सामने की ओर आ रहा था। साक्षी ने यह अस्वीकार किया है कि उक्त दुर्घटना के दौरान यदि आरोपी ट्रेक्टर रोक देता तो उक्त दुर्घटना नहीं होती। उक्त दुर्घटना आरोपी की लापरवाही से हुई थी। घटना के समय आरोपी ट्रेक्टर को तेज गति से लहराते हुए चला रहा था। उसने प्र.पी.01 का कथन पुलिस को दिया था। प्रतिपरीक्षण में साक्षी

ने कहा है कि आरोपी किस ग्राम का रहने वाला है वह नहीं जानता। साक्षी ने इस बात से इंकार किया है कि वह पुलिस के कहे अनुसार आरोपी को चालक के रूप में पहचानता है। साक्षी के अनुसार उसने स्वयं आरोपी को घटना के समय ट्रैक्टर चलाते हुये देखा था। पुलिस ने उसे बयान पढ़कर नहीं बताये थे और ना ही उसने पढ़कर देखा था।

6. साक्षी राजेश (अ0सा0-02) का कथन है कि आरोपी एवं मृतक गंगाराम को जानता है। घटना उसके न्यायालय में साक्ष्य देने के करीब ढेड साल पूर्व दिन के डेढ़ बजे ग्राम जानपुर की है। घटना दिनांक को वह और गंगाराम, दीनदयाल चौधरी के ट्रैक्टर में बैठकर एवं अन्य लोगों के साथ गोबर खाद भरने के लिये जा रहे थे। ट्रैक्टर को प्रकाश चला रहा था। ट्रैक्टर के इंजन वाले भाग पर उन लोग बैठे हुये थे तथा गंगाराम ट्राली में बैठा था और ट्राली से नीचे गिर गया था, जिससे ट्राली के चक्के में दब गया था। उसके बाद गंगाराम को मलाजखंड अस्पताल ले गये थे। गंगाराम के हाथ, पैर एवं पसली पर चोट लगी थी तथा मलाजखंड अस्पताल में गंगाराम की मृत्यु हो गई थी। उक्त घटना की रिपोर्ट उसने थाना मलाजखंड में किया था जो प्र.पी.02 है। पुलिस ने घटनास्थल पर आकर उसके समक्ष मौकानक्शा प्र.पी. 03 बनाया था, जिसके ए से ए भाग पर उसके हस्ताक्षर हैं। पुलिस ने उसके समक्ष पंचायतनामा एवं नक्शा पंचायतनामा प्र.पी.04 एवं 05 तैयार किया था, जिसके क्रमशः ए से ए भाग पर उसके हस्ताक्षर हैं। पुलिस ने उसके समक्ष आरोपी से घटनास्थल से ट्रैक्टर मय दस्तावेजों के जप्त किया था, जो प्र.पी.06 है जिसके ए से ए भाग पर उसके हस्ताक्षर हैं। पुलिस ने उसके समक्ष आरोपी को गिरफ्तार कर गिरफ्तारी पंचनामा प्र.पी.07 तैयार किया था, जिसके ए से ए भाग पर उसके हस्ताक्षर हैं। पुलिस ने पूछताछ कर उसके बयान लिये थे। सूचक प्रश्न पूछे जाने पर साक्षी ने स्वीकार किया कि आरोपी ट्रैक्टर को चला रहा था और गंगाराम ट्राली में बैठा था और सामने इंजन पर बैठने जा रहा था। यदि आरोपी ट्रैक्टर को रोक देता तो गंगाराम ट्राली से नहीं गिरता और दुर्घटना नहीं होती। उक्त दुर्घटना आरोपी की लापरवाही से हुई थी। आरोपी ट्रैक्टर को लहराते हुये तेज रफ्तार से चला रहा था। प्रतिपरीक्षण में साक्षी ने स्वीकार किया कि वह लोग ट्रैक्टर के इंजन पर बैठे थे और गंगाराम ट्राली में बैठा था। गंगाराम बिना किसी को आवाज दिये ट्राली से इंजन पर आ रहा था। दुर्घटना के समय ट्रैक्टर सामान्य गति से चल रहा था और उसकी रफ्तार करीब 10 कि.मी. प्रति घंटे की थी। उन लोगों ने मृतक गंगाराम को ट्राली से गिरते हुये नहीं देखा था। दुर्घटना मृतक गंगाराम की गलती से हुई थी।

7. साक्षी राहुल (अ0सा0-03) का कथन है कि घटना उसके न्यायालयीन साक्ष्य देने से दो साल पूर्व दिन के 01:30 बजे ग्राम जानपुर की है। घटना दिनांक को वह, राजेश, सुकचंद, और गंगाराम दीनदयाल चौधरी के ट्रैक्टर में बैठकर एवं अन्य लोगों के साथ गोबर खाद भरने के लिए जा रहे थे। ट्रैक्टर को प्रकाश चला रहा था। ट्रैक्टर के इंजन वाले भाग पर उन लोग बैठे हुए थे तथा मृतक गंगाराम ट्राली में बैठा था। मृतक गंगाराम ट्राली से इंजन में बैठने के लिए आ रहा था तो ट्राली से नीचे गिर गया, जिससे वह ट्राली के चक्के में दब गया था। उसके बाद मृतक गंगाराम को मलाजखंड अस्पताल में ले गये थे। मृतक गंगाराम के हाथ, पैर एवं पसली में चोट लगी थी। मृतक गंगाराम की मलाजखंड अस्पताल में मृत्यु हो गई थी। पुलिस ने घटना के संबंध में उससे पूछताछ की थी। उसे दुर्घटना कारित

करने वाले वाहन का नंबर याद नहीं है। साक्षी को सूचक प्रश्न पूछे जाने पर साक्षी ने यह अस्वीकार किया कि घटना के समय चलते ट्रैक्टर से ट्राली में बैठने के लिए आवाज देकर इंजन में बैठने के लिए आ रहा था। यह भी अस्वीकार किया कि आरोपी द्वारा ट्रैक्टर को तेजी एवं लापरवाही से चलाने के कारण दुर्घटना हुई थी। प्रतिपरीक्षण में साक्षी ने स्वीकार किया कि घटना के समय आरोपी ट्रैक्टर को धीमी गति से चला रहा था तथा मृतक गंगाराम बिना किसी को आवाज दिये ट्राली से इंजन में बैठने के लिये आ रहा था। ट्राली से इंजन में आते समय मृतक गंगाराम गिर गया था। उक्त दुर्घटना में आरोपी की कोई गलती नहीं थी। उक्त दुर्घटना मृतक गंगाराम की गलती से हुई थी। आरोपी ट्रैक्टर को लहराते हुये एवं तेज गति से नहीं चला रहा था। उसने पुलिस बयान में ट्रैक्टर का नंबर नहीं बताया था, यदि पुलिस वालों ने उसके बयान में ट्रैक्टर का नंबर लिखे हो तो वह इसका कारण नहीं बता सकता।

8. साक्षी पोतनलाल चौधरी (अ0सा0-08) का कथन है कि वह आरोपी एवं मृतक को नहीं जानता है। घटना उसके न्यायालयीन कथन के लगभग चार साल पूर्व ग्राम जानपुर में स्कूल चौराहा के पास की है। घटना स्थल पर भीड़ होने से जाकर देखा तो वहाँ पर मृतक गंगाराम पड़ा हुआ था, उसे उठाकर मलाजखण्ड अस्पताल लेकर गये थे। पुलिस ने पूछताछ कर उसके बयान नहीं लिये थे। साक्षी को सूचक प्रश्न पूछे जाने पर साक्षी ने इस बात से इंकार किया कि घटना दिनांक 05.03.2013 की है। साक्षी ने यह भी अस्वीकार किया कि गांव का गंगाराम बघेल सारथी गांव के दीनदयाल चौधरी के ट्रैक्टर से अपने खेत में खाद उलट रहा था। यह भी अस्वीकार किया कि ट्रैक्टर क्रमांक एम.पी.50ए3988 के चालक ने तेजगति व लापरवाहीपूर्वक चलाकर ट्राली के पिछले चाक से उसके उपर चढ़ाने से गंगाराम की मृत्यु कारित की। साक्षी ने प्र.पी.11 के कथन देने से इंकार किया। प्रतिपरीक्षण में साक्षी ने स्वीकार किया कि पुलिस ने प्रकरण में उसके कथन पेश किये हो तो वह इसका कारण नहीं बता सकता।

9. साक्षी रामचरण (अ0सा0-05) का कथन है कि वह आरोपी को नहीं जानता है तथा मृतक गंगाराम उसका भाई है। घटना उसके न्यायालयीन कथन से लगभग दो साल पूर्व की है। उसे बताया गया था कि उसका भाई खाद भरने ट्रैक्टर में गया था और फोन से सूचना मिली थी कि उसके भाई गंगाराम का ट्रैक्टर से एक्सीडेंट हो गया है, जिस ट्रैक्टर से एक्सीडेंट हुआ था, उसी ट्रैक्टर से उसके भाई का मृत शरीर लेकर अस्पताल आये थे। प्रतिपरीक्षण में साक्षी ने स्वीकार किया कि उसे घटना की दिनांक, दिन व महीना आज याद नहीं है। घटना किसकी गलती से हुई थी वह नहीं बता सकता और ना ही उसे किसी के माध्यम से पता चला था। साक्षी ने यह भी स्वीकार किया कि मृतक की मृत्यु कैसे हुई थी उसे इसकी जानकारी नहीं लगी थी।

10. साक्षी राजकुमार (अ0सा0-10) का कथन है कि वह आरोपी को नहीं जानता है। घटना उसके साक्ष्य देने से करीब दो साल पूर्व की है। दिन के करीब तीन-चार बजे उसे पता चला कि उसके मामा गंगाराम का स्कूलटोला में ट्रैक्टर से एक्सीडेंट हो गया है। और जब वह पहुँचा तो उसका मामा बेहोश था, जिसे ईलाज के लिए मलाजखण्ड अस्पताल लेकर गये थे, जहाँ उसकी मृत्यु हो गई थी। पुलिस ने उससे पूछताछ नहीं की थी और उसने पुलिस को कोई बयान नहीं दिया था। प्रतिपरीक्षण में साक्षी ने स्वीकार किया कि उक्त दुर्घटना के समय किसकी टक्कर हुई थी उसे यह जानकारी नहीं लगी थी।



11. साक्षी डॉ० संगीता गुप्ता (अ०सा०-04) का कथन है कि वह दिनांक 05.06.13 को एम.सी.पी.अस्पताल मलाजखण्ड में चिकित्सक के पद पर पदस्थ थी। उक्त दिनांक को उसके समक्ष मृतक गंगाराम को मृत अवस्था में लाये जाने पर उसकी मृत्यु होने की तस्दीक करते हुए पुलिस थाना मलाजखण्ड को सूचना दी थी। उक्त सूचना पत्र प्र.पी.08 है जिसके ए से ए भाग पर उसके हस्ताक्षर हैं।

12. साक्षी डॉ० एल.एन.एस.उड़के (अ०सा०-06) का कथन है कि वह दिनांक 06.06.13 को मुख्य खण्ड चिकित्सा अधिकारी के पद पर पदस्थ थे। उक्त दिनांक को आरक्षक दिलीपसिंह क 1251 थाना मलाजखण्ड द्वारा मृतक गंगाराम पिता नरबद उम्र 38 साल निवासी जानपुर के शव को परीक्षण हेतु लाया गया था। शव का परीक्षण करने पर शरीर ठंडा और पीठ के बल लेटा हुआ था आंख की पुतलियां फैलीं थी हाथ व पैर पर राइगर्स मौजूद थे। मृतक का शरीर दायें तरफ झुका था आंख व मुह खुला था, नाखून व चमड़ी पेल थे। मृतक के जननांग के दोनों टेस्ट ट्यूब में सूजन थी, चोट क०1 दाये रेडियल हड्डी के पार्श्व भाग में 4 गुणा 4 गुणा 3.5 इंच कटीयूजन व गंभीर किस्म का घाव था। चोट क०2 दाएं भुजा की हड्डी में फेक्चर था जो 4 गुणा 2 इंच का घाव था जहां हड्डी टूटी थी और गंभीर किस्म की चोट थी। चोट क०3 दायें साईड की सभी पसली की हड्डियां मध्य भाग से टूटी थी जो गंभीर स्वरूप की थी। मृतक का बाहरी भाग-शव की कद काठी सामान्य औसत की थी, कपाल, मेरुदण्ड, खोपड़ी, सिल्ली और मेरुरज्जू सभी पेल थे। छाती, पार्दा, पसली, कोमलस्थ, फुफुस, कंठ व श्वासनली, पेरियोन परकरसियम, हृदय, वृहद वाहिका पेल थे, उदर पेट के भाग का पार्दा, आंतों की झिल्ली, मुह व ग्रासनली, अमाशय, छोटी आंत व उसके भीतर की वस्तुएं, बायां फेफड़ा पेल थे, दाहिना फेफड़ा फटा हुआ व पेल था, बड़ी आंत व उसके भीतर की वस्तुएं पेल थी व मल से भरी थी। यकृत, प्लीहा, मूत्राशय, गुर्दा, पेल थे मूत्राशय खाली था, भीतरी व बाहरी जनेन्द्रिया सामान्य अवस्था में थी। उसके मतानुसार मृतक की मृत्यु का कारण अत्यधिक गंभीर एवं जानलेवा चोट लगने के फलस्वरूप और अत्यधिक रक्तस्राव होने से व शॉक होने से मृत्यु होना संभावित थी मृत्यु उसके शव परीक्षण के 12-24 घंटे के भीतर संभावित थी। उक्त शव परीक्षण रिपोर्ट प्र.पी.09 है जिसके ए से ए भाग पर उसके हस्ताक्षर हैं।

13. साक्षी दीनदयाल (अ०सा०-09) का कथन है कि वह आरोपी को जानता है। घटना दिनांक 05.06.13 की है। घटना के समय आरोपी उसका ट्रैक्टर चला रहा था। उसे खबर मिली की करीब दो बजे पटेलटोला और स्कूल चौराहा जानपुर के बीच खाद डालकर वापस आते समय गंगाराम जो ट्रैक्टर में सवार था अनियंत्रित होकर ट्रैक्टर के नीचे आ गया, जिसकी मलाजखण्ड अस्पताल में मृत्यु हो गई थी। घटना के संबंध में पुलिस ने उसे धारा-133 मो.व्ही.एक्ट का नोटिस प्रेषित किया था, जिसका जवाब प्र.पी.12 है जिसके ए से ए भाग पर उसके हस्ताक्षर हैं। प्रतिपरीक्षण में साक्षी ने स्वीकार किया कि उसके यहाँ पर आरोपी के अतिरिक्त दो-तीन ड्रायवर और हैं। साक्षी ने यह भी स्वीकार किया कि उन लोग भी ट्रैक्टर को चलाते रहते हैं। यह भी स्वीकार किया कि घटना दिनांक को वह अपने कार्य से बाहर गया हुआ था। यह भी स्वीकार किया कि वह बाहर गया था इसलिये नहीं बता सकता कि घटना दिनांक को उक्त ट्रैक्टर कौन चला रहा था। यह भी स्वीकार किया कि उसने धारा-133 मो.व्ही. एक्ट प्र.पी.12 के दस्तावेज पर पुलिस के कहने पर हस्ताक्षर किया था। यह भी स्वीकार किया कि प्र.पी.12 का दस्तावेज पुलिस ने पूर्व से लिखकर लाया था। यह भी स्वीकार किया कि हस्ताक्षर करते समय उसे

जानकारी नहीं थी कि उक्त दस्तावेज में प्रकाश राहंगडाले का नाम लिखा है। यह भी स्वीकार किया कि दुर्घटना किसकी गलती से हुई थी उसे जानकारी प्राप्त नहीं हुई थी। यह भी स्वीकार किया कि उसे यह भी जानकारी नहीं मिली थी कि उक्त ट्रैक्टर को कौन चला रहा था और दुर्घटना में चालक की गलती थी।

14. साक्षी राजेन्द्र कुमार उपाध्याय (अ0सा0-07) का कथन है कि वह दिनांक 06.06.2013 को थाना मलाजखण्ड में सहायक उपनिरीक्षक के पद पर पदस्थ था। उक्त दिनांक को मर्ग क्र 27/13 की जांच उपरांत उसके द्वारा ट्रैक्टर कमांक एम.पी.50/ए-3988 के चालक आरोपी के विरुद्ध अप.क्र. 79/13 धारा 304ए भा.दं.सं. तथा 184 मो.व्ही. एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध किया था, प्र.पी.02 है जिसके ए से ए एवं बी से बी भाग पर उसके हस्ताक्षर हैं। दिनांक 07.06.2013 को साक्षी राजेश की निशादेही पर घटनास्थल का नजरीनक्शा प्र.पी.03 तैयार किया था, जिसके बी से बी भाग पर उसके हस्ताक्षर हैं। दिनांक 06.06.13 को मृत्यु जांच में उपस्थित होने के लिए गवाहों को सूचना दिया था, जो प्र.पी.04 है एवं नक्शा पंचायतनामा प्र.पी.05 गवाहों के समक्ष तैयार किया गया था, जिसके ए से ए भाग पर उसके हस्ताक्षर हैं। दिनांक 06.06.13 को मृतक के शव परीक्षण हेतु आवेदन दिया था जो प्र.पी.10 है, जिसके ए से ए भाग पर उसके हस्ताक्षर हैं। दिनांक 17.06.13 को साक्षी सुखचंद व राजेश के समक्ष आरोपी से एक ट्रैक्टर कं एम.पी.50ए-3988 एवं ट्राली नम्बर एम.पी.50ए-4264मय दस्तावेजों के जप्त कर जप्ती पत्रक प्र.पी.06 बनाया था, जिसके ए से ए भाग पर उसके हस्ताक्षर हैं। दिनांक 05.06.13 को आरोपी को गवाह सुखचंद व राजेश के समक्ष गिरफ्तार कर गिरफ्तारी पत्रक प्र.पी.07 तैयार किया था, जिसके बी से बी भाग पर उसके हस्ताक्षर हैं। उसके द्वारा साक्षी राजेश, सुखचंद, राहुल, राजकुमार, पोतनलाल, मायावती तथा रामचरण के बयान उनके बताये अनुसार लेखबद्ध किये गये थे। प्रतिपरीक्षण में साक्षी ने स्वीकार किया कि उक्त घटना की अन्य किसी व्यक्ति ने रिपोर्ट नहीं की थी। साक्षी के अनुसार तहरीर के पश्चात मर्ग की जांच उपरांत उसके द्वारा एफ.आई.आर. दर्ज की गई थी। साक्षी ने अस्वीकार किया कि उसके द्वारा प्र.पी.02 झूठा तैयार किया गया था। साक्षी ने बचाव पक्ष के इस सुझाव को इंकार किया कि उसके द्वारा प्र.पी. 03 मौका नक्शा थाने में बैठकर बनाया गया था। साक्षी के अनुसार उसने प्र.पी. 03 मौका नक्शा साक्षी राजेश की निशादेही पर घटनास्थल पर बनाया था। प्रतिपरीक्षण में साक्षी ने बचाव पक्ष के इस सुझाव से भी इंकार किया कि प्र.पी. 02 पर साक्षी राजेश के हस्ताक्षर उसने उसे बिना जानकारी दिये करवाया था। साक्षी ने यह अस्वीकार किया प्र.पी.04 की सूचना उसके द्वारा झूठी दी गई थी तथा मृतक के शव परीक्षण के लिये आवेदन झूठा तैयार किया था। यह भी अस्वीकार किया कि उसके द्वारा जप्ती पत्रक प्र.पी.06 एवं गिरफ्तारी पत्रक प्र. पी.07 झूठा तैयार किया गया था। साक्षी ने यह भी अस्वीकार किया कि उसके द्वारा संपूर्ण साक्षीगण के कथन अपने मन से लेख किये गये थे तथा उसके द्वारा प्रकरण में झूठी विवेचना की गई थी।

15. उपरोक्त साक्ष्य से यह सिद्ध होता है कि घटना दिनांक को आरोपी द्वारा चालित ट्रैक्टर से कारित दुर्घटना में ट्रैक्टर में सवार गंगाराम की मृत्यु हुई थी, परंतु उक्त दुर्घटना आरोपी की लापरवाही अथवा उपेक्षा से कारित हुई थी, इस संबंध में साक्ष्य का पूर्णतः अभाव है। घटना के सभी

प्रत्यक्षदर्शी साक्षियों ने घटना से स्पष्ट इंकार किया है। अन्य सभी साक्षी अनुश्रुत हैं, जिन्होंने अभियोजन कहानी का समर्थन नहीं किया है। सभी साक्षियों ने घटना में आरोपी प्रकाश की गलती होने अथवा वाहन की गति तेज होने से स्पष्ट इंकार किया है। सभी साक्षियों ने घटना में मृतक गंगाराम की ही गलती होना व्यक्त किया। अपराध विधि शास्त्र अभियोजन से यह अपेक्षा करता है कि वह आरोपों को संदेह से परे प्रमाणित करें। सांविधिक अपवादों को छोड़कर अपराध की उपधारणा नहीं की जा सकती। “परिस्थितियां स्वयं प्रमाण है” के सिद्धांत के आधार पर उपेक्षा व उतावलेपन की उपधारणा नहीं की जा सकती। अभियोजन के द्वारा इस संबंध में कोई भी साक्ष्य प्रस्तुत नहीं की गयी है कि आरोपी द्वारा अपने वाहन को उपेक्षापूर्वक या उतावलेपन से चलाकर मृतक गंगाराम की मृत्यु कारित की गयी है। घटना में वाहन पर सवार व्यक्ति की मृत्यु के आधार पर यह नहीं कहा जा सकता कि अभियुक्त द्वारा अपने वाहन को उपेक्षा या उतावलेपन से चलाकर उक्त घटना कारित की गयी हो इस संबंध में न्याय दृष्टांत—Bijuli Swain Vs State of Orissa 1981 Cr.LJ 583(Ori) अवलोकनीय है।

16. अतः अभियुक्त प्रकाश राहंगडाले को भा.दं0सं0 की धारा-279 एवं 304ए के तहत दण्डनीय अपराध से दोषमुक्त किया जाता है।

17. अभियुक्त के जमानत मुचलके भारमुक्त किय जाते हैं।

18. प्रकरण में जप्तशुदा वाहन ट्रक क्रमांक ट्रेक्टर क्रमांक एम.पी. 50ए3988 वाहन के पंजीकृत स्वामी की सुपुर्दगी में है। सुपुर्दनामा अपील अवधि के पश्चात वाहन स्वामी के पक्ष में उन्मोचित हो तथा अपील होने की दशा में माननीय अपीलीय न्यायालय के निर्देश का पालन किया जावे।

19. आरोपी विवेचना या विचारण के दौरान अभिरक्षा में नहीं रहा है, इस संबंध में धारा 428 जा0फौ0 का प्रमाण पत्र बनाया जावे जो कि निर्णय का भाग होगा।

निर्णय खुले न्यायालय में दिनांकित,  
हस्ताक्षरित कर घोषित किया गया।

मेरे उद्बोधन पर टंकित किया।

सही /—

(अमनदीप सिंह छाबड़ा)  
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी  
बैहर, बालाघाट (म.प्र.)

सही /—

(अमनदीप सिंह छाबड़ा)  
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी  
बैहर, बालाघाट (म.प्र.)